प्रसार भारती

आकाशवाणी शिमला

08.09.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1800 बजे

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 9 सितम्बर को हिमाचल प्रदेश के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज शिमला में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि धर्मशाला में प्रधानमंत्री के साथ एक बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें आपदा को लेकर विस्तृत प्रैजेंटेशन दी जाएगी ताकि प्रदेश को आपदा राहत पैकेज मिल सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए विधानसभा से सर्वसहमति से एक प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा गया है।

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर शिमला में आयोजित पूर्ण साक्षर हिमाचल समारोह और उल्लास मेले को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आज ये घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1971 में पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल ने क्रांतिकारी बदलाव किए हैं जिसके चलते आज प्रदेश साक्षर राज्य बना है।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके मद्देनजर डे–बोर्डिंग स्कूल, पहली कक्षा से इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई सहित अनेक सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिमाचल की साक्षरता दर 99 दशमलव तीन फीसद है जो राष्ट्रीय स्तर की साक्षरता दर 80 दशमलव 9 प्रतिशत से कहीं अधिक है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश के शेष 56 हजार 9 सौ 60 निरक्षरों को साक्षर बनाने की नई योजना का भी ऐलान किया। इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

चन्द्र कुमार

कृषि व पशुपालन मंत्री चन्द्र कुमार ने आज ज्वाली विधानसभा क्षेत्र की बनोली खास पंचायत का दौरा किया और किसानों द्वारा उगाई गई गुलाबो धान की फसल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि धान की इस किस्म की पैदावार उत्कृष्ट है और ये प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम बन सकती है। चन्द्र कुमार ने बताया कि गुलाबो धान खरीफ मौसम में मात्र एक सौ 16 से एक सौ 22 दिनों में पक कर तैयार हो जाती है। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है ताकि लोगों का स्वास्थ्य बेहतर रहे और किसानों की आर्थिकी भी सुदृढ़ हो सके।

लोकार्पण

पंचायती राज मंत्री अनिरूद्ध सिंह और लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज संयुक्त रूप से शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के घण्डल में पंचायत घर का लोकार्पण किया। बाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अनिरूद्ध सिंह ने कहा कि प्रदेश आत्मनिर्भर हिमाचल की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के प्रयासों से शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान स्थापित हैं। अनिरूद्ध सिंह ने कहा कि घण्डल पंचायत घर प्रदेश का पहला अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस पंचायत घर है। उन्होंने बताया कि शिमला ग्रामीण में 14 करोड़ 72 लाख रूपए की लागत से इस तरह के 9 नए पंचायत घर बनाए जा रहे हैं। इस दौरान लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने पंचायतों को अपनी आय बढ़ाने के लिए विकल्प तैयार करने और अपने स्तर पर नए फैसलों को लागू कर अपनी आय को सुदृढ़ करने पर बल दिया।

————————————